अनुस्वार, अनुनासिक, 'र' के रूप, नुक्ता, अपठित काव्यांश

अभ्यास

1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

- हम पंछी उन्मुक्त गगन के
  पिंजरबद्ध न गा पाएँगे।
- स्वर्ण-शृंखला के बंधन में
  अपनी गति, उड़ान सब भूले।

1. उपर्युक्त पंक्तियों में से उन शब्दों को छाँटकर लिखिए, जिनमें अनुस्वार (बिंदु) तथा अनुनासिक (चंद्रबिंदु) का प्रयोग किया गया है–

.....

.....

.....

.....

.....

2. उच्चारण के आधार पर निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (ं) तथा अनुनासिक (ँ) का प्रयोग कीजिए–

(क) अगूर (घ) सवाद (छ) साप

(ख) चाद (ङ) जाऊगा (ज) मज़िल

(ग) आगन (च) भावनाए (झ) पसद

Chapter-1.indd 1 10/14/2016 1:41:44 PM

याद रखिए–

- जिन वर्णों के उच्चारण में हवा नाक से निकलती है, वहाँ नियम के अनुसार **अनुस्वार** **(ं)** का प्रयोग किया जाता है। वर्णमाला के सभी वर्गों के पंचम वर्ण के स्थान पर इसका प्रयोग किया जाता है।
- जिन वर्णों के उच्चारण में हवा नाक व मुँह दोनों से निकलती है, वहाँ **अनुनासिक** **(ँ)** का प्रयोग किया जाता है।

3. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से पढ़िए–

कटोरी स्वर्ण प्रेम

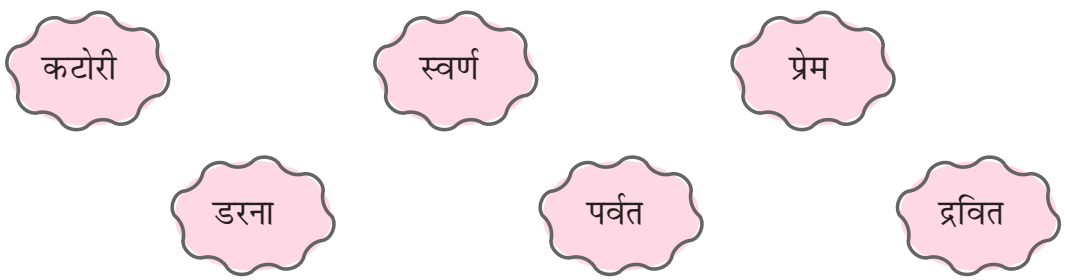

डरना पर्वत द्रवित

उपर्युक्त शब्दों में ‘र’ का प्रयोग अलग-अलग रूपों में हुआ है।

आइए, ‘र’ के इन विभिन्न रूपों के प्रयोग को समझें–

‘र’	र् (रेफ़)	्र (पदेन)
जब ‘र’ स्वर सहित हो।	जब ‘र’ स्वर रहित हो।	जब ‘र’ स्वर सहित हो लेकिन उससे पहले वाला व्यंजन स्वर रहित हो।

नोट– ऐसे व्यंजन जिनमें खड़ी पाई नहीं होती, यदि वे स्वर रहित हों और उनके साथ पदेन ‘र’ (्र) का प्रयोग करना हो, तो इसका रूप इस प्रकार होगा–

ट्रक, ड्रामा, राष्ट्र

4. निम्नलिखित शब्दों में उच्चारण के आधार पर ‘र’ के विभिन्न रूपों का प्रयोग कीजिए–

(क) धम (घ) शम (छ) डामा

(ख) विद्याथी (ङ) गह (ज) आशीवाद

(ग) राष्ट (च) कम (झ) वत

Chapter-1.indd 2 10/14/2016 1:41:44 PM

5. **निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ते हुए बोलिए–**

खंड I	खंड II
जरा	ज़रा
फन	फ़न

खंड II में 'ज़' और 'फ़' उर्दू की ध्वनियाँ हैं। 'ज़' और 'फ़न' में नीचे लगे बिंदु को 'नुक्ता' कहा जाता है। इससे शब्द का अर्थ बदल जाता है, जैसे-जरा (बुढ़ापा) और ज़रा (थोड़ा-सा)

6. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाइए–**

(क) जरा	(ङ) जुल्म	(झ) शराफत
(ख) गज	(च) दरजी	(ञ) फर्क
(ग) फिल्म	(छ) बर्फ	(ट) कर्ज
(घ) अंग्रेज	(ज) रोजा	(ठ) इज्जत

7. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

कोई लहर न रोक सकेगी
हम मंज़िल के दीवाने हैं।
संकल्पों के हम हैं सागर
साहस के ध्रुवतारे हैं।
कभी न बाधाओं के आगे
पाँव हमारे हारे हैं।

तूफ़ानों को तौल चुके हम
सब जाने-पहचाने हैं।
भाग्य हमारी मुट्ठी में है
स्वयं विधाता हम जग के।
फिर क्यों किसी आँख में आँसू
बरबस आ-आकर, छलके।

(क) प्रथम पंक्ति में 'लहर' का क्या अर्थ है?

.....

.....

(ख) मंज़िल के दीवाने किसके सागर और किसके ध्रुवतारे हैं?

.....

.....

Chapter-1.indd 3 10/14/2016 1:41:44 PM

(ग) 'तूफ़ानों को तौल चुके हम' का आशय क्या है?

.....

.....

(ङ) किसी की आँखों से आँसू क्यों नहीं छलकने चाहिए?

.....

.....

(घ) भाग्य को मुट्ठी में कैसे किया जा सकता है?

.....

.....

आओ दोहराएँ

8. निम्नलिखित शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखिए–

(क) गगन – ....

(ख) जल – ....

(ग) तरु – ....

(घ) अरमान – ....

(ङ) किरण – ....

(च) विघ्न – ....

Chapter-1.indd 4 10/14/2016 1:41:45 PM

9. **निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए शब्दों के विलोम शब्द द्वारा पूरा कीजिए–**

(क) मीरा को कक्षा में प्रथम आने पर ..... मिला। (दंड)

(ख) हमें पीठ पीछे किसी की ..... नहीं करनी चाहिए। (स्तुति)

(ग) हमें सदा समय का ..... करना चाहिए। (दुरुपयोग)

(घ) चाचाजी की तरक्की का समाचार सुनकर घर में ..... की लहर दौड़ गई। (विषाद)

10. **आप संयुक्त अक्षर और हलंत वाले शब्दों से भली-भाँति परिचित हैं। निम्नलिखित शब्दों को दोनों तरीकों से लिखिए–**

(क) चिह्न – .....चिह्न.....

(ख) ब्रह्मा – .....

(ग) गड्ढा – .....

(घ) मिट्टी – .....

(ङ) विद्यालय – .....

(च) विद्वान – .....

11. **'कनक-तीलियों से टकराकर' में 'कनक' का अर्थ है-सोना। किंतु 'कनक' का एक अर्थ अनाज (गेहूँ) भी है।**

निम्नलिखित शब्दों के एक से अधिक अर्थ हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) हार
- माला – .....
- हारना – .....

Chapter-1.indd 5 10/14/2016 1:41:45 PM

(ख) उत्तर
- एक दिशा – .....
- जवाब – .....

(ग) अंक
- गोद – .....
- संख्या – .....

12. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया पद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए–

वाक्य	क्रिया पद	भेद
(क) धोबी ने कपड़े धोए।	धोए	सकर्मक
(ख) घोड़े दौड़ रहे हैं।	.....	.....
(ग) मैंने एक अच्छी कहानी पढ़ी।	.....	.....
(घ) पंडित जी ने फूल और प्रसाद बाँटे।	.....	.....
(ङ) अचानक आँधी आई।	.....	.....

आओ लिखें

13. कई बार मनुष्य जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के साथ-साथ किसी को अपना आदर्श भी मानता है, जिसके आदर्शों व सिद्धांतों से प्रेरित होकर वह उसके जैसा बनना चाहता है। दिए गए संकेतों के आधार पर 'आदर्श/प्रेरक व्यक्ति' पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए–

संकेत-बिंदु– • प्रस्तावना • आदर्श व्यक्ति का नाम • आचरण व व्यवहार • उपलब्धियाँ • उपसंहार

.....

.....

Chapter-1.indd 6 10/14/2016 1:41:45 PM

Chapter-1.indd 7 10/14/2016 1:41:45 PM

अभ्यास

तत्सम-तद्भव, विराम-चिह्न,
अपठित गद्यांश

2 असल धन

1. नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–

(क) उसने **दुख** और **आश्चर्य** से पूछा, "मेरा **दोष** क्या है?"

(ख) मनुष्य अपने **कर्मों** से महान बनता है।

(ग) दरबारियों की **आँखों** में चमक आ गई।

(घ) ईरान के किसी **गाँव** में एक चरवाहा रहता था।

(ङ) दरबारी शाह के **कान** भरने लगे।

अब इन वाक्यों में मोटे काले शब्दों को दी गई श्रेणियों में विभाजित करके लिखिए–

तत्सम	
तद्भव	

Chapter-2.indd 8 10/14/2016 1:43:05 PM

2. निम्नलिखित शब्द-समूहों में तत्सम शब्दों पर घेरा लगाइए–

(क) मयूर, मैना, बुलबुल, कौआ

(ख) रात, जिह्वा, आग, चाँद

(ग) काम, पैर, हाथ, सूर्य

3. निम्नलिखित शब्द-समूहों में तद्भव शब्दों पर घेरा लगाइए–

(क) काठ, स्थान, गुण, दोष

(ख) दुख, दही, आश्चर्य, बुद्धिमान

(ग) क्रोध, मोर, धन, सुरक्षित

4. खंड 'क' के तत्सम शब्दों का मिलान खंड 'ख' में दिए उनके तद्भव रूपों से कीजिए–

खंड 'क'	खंड 'ख'
अश्रु	नींद
क्षेत्र	आँसू
निद्रा	खेत
जिह्वा	आँख
अक्षि	जीभ

5. निम्नलिखित वाक्यों को उचित शब्दों द्वारा पूरा कीजिए–

(क) मेरे पाँव में ..... चुभ गया। (कंटक/काँटा)

(ख) पेड़ के ..... गिर गए। (पत्र/पत्ते)

(ग) वे कल ..... प्रवेश करेंगे। (घर/गृह)

(घ) रावण के ..... सिर थे। (दस/दश)

(ङ) भगवान को ..... स्नान करवाओ। (दूध/दुग्ध)

Chapter-2.indd 9 10/14/2016 1:43:05 PM

6. दिए गए चित्रों के सामने उनके नाम के तत्सम और तद्भव रूप लिखिए–

चित्र	तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
(क)	.....	.....
(ख)	.....	.....
(ग)	.....	.....
(घ)	.....	.....
(ङ)	.....	.....

7. नीचे स्तंभ 'क' में विराम-चिह्न दिए हैं और स्तंभ 'ख' में उनके नाम दिए गए हैं। रेखा खींचकर विराम-चिह्नों को उनके नाम से मिलाइए–

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
—	योजक चिह्न
'	एकल उद्धरण चिह्न
" "	पूर्णविराम
?	अर्धविराम
|	अल्पविराम
' '	निर्देशक चिह्न
;	विस्मयादिबोधक
–	दुहरा उद्धरण चिह्न
!	प्रश्नसूचक चिह्न

Chapter-2.indd 10 10/14/2016 1:43:05 PM

8. नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त विराम-चिह्नों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए-

वाक्य	विराम-चिह्न	नाम
(क) हमने जीवन में कई पड़ोस बदले हैं।		
(ख) हमें पता है कि 'केबल' टी. वी. नई पीढ़ी के लिए कितना नुकसानदेह है।		
(ग) हम एक ही सवाल दागते, "आज भाभीजी का क्या हाल है?"		
(घ) "आंटी, आंटी! मम्मी ने आपकी साड़ियाँ प्रेस करवाकर भेजी हैं।"		
(ङ) पंडितजी (जवाहर लाल नेहरू) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे।		

Chapter-2.indd 11 10/14/2016 1:43:05 PM

9. नीचे लिखे वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

(क) हमारे पड़ोसी बहुत अच्छे हैं

(ख) मैं चिल्लाया यह कूड़ा किसने फेंका है

(ग) आज मैंने प्रेमचंद की बड़े भाई साहब कहानी पढ़ी

(घ) बच्चो क्या कर रहे हो

(ङ) कचरा इधर उधर मत फेंको

(च) अरे बाप रे इतना बड़ा हाथी

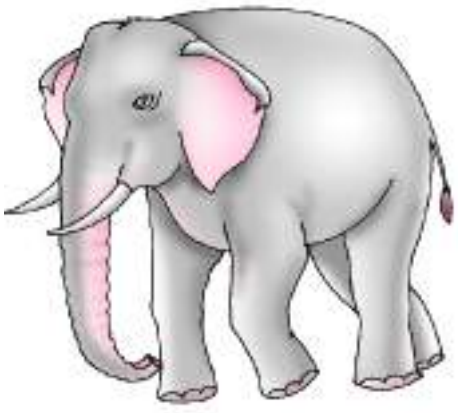

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

रीनू ने सबसे कह दिया कि रेवा की मम्मी ने रेवा के जन्मदिन पर बुलाया है। दूसरे दिन पहली अप्रैल थी। सुबह से रीनू के मन में शाम का नज़ारा देखने की बेचैनी थी। जब सब अपने-अपने उपहार लेकर जाएँगे और रेवा हैरान होकर सबका मुँह ताकती रह जाएगी। वह और उसकी मम्मी परेशान-सी कहेंगी, "हमने तो किसी को नहीं बुलाया। किसी का जन्मदिन भी नहीं है। फिर सब उपहार लेकर क्यों आए हैं?" उस समय सबके चेहरे देखने लायक होंगे। सारा दिन स्कूल में उसका मन नहीं लगा। लेकिन एक बात सबसे मुश्किल थी। वह यह कि रीनू ही तो सबका अप्रैल फूल बना रही थी। बिना गए सबके खिसियाने चेहरे कैसे देखेगी? इसलिए उसे तो जाना ही होगा। वह भी एक डिब्बे में काग़ज़ भरकर उसे सजाकर रेवा के घर गई। उसके घर पहुँची तो देखा, सब खा-पी रहे थे। रेवा ने उसे देखा तो खींचकर अंदर ले गई। सचमुच रेवा का जन्मदिन था। उसे और सबको बुद्धू बनाने के चक्कर में रीनू का ही अप्रैल फूल बन गया।

(क) रीनू ने सबसे क्या कहा था?

.....

(ख) रीनू कौन-सा नज़ारा देखना चाहती थी?

.....

(ग) स्कूल में रीनू क्या सोच रही थी?

.....

.....

Chapter-2.indd 12 10/14/2016 1:43:05 PM

(घ) रेवा के घर पहुँचकर रीनू ने क्या देखा?

.....

.....

(ङ) रीनू क्या चाहती थी और क्या हुआ?

.....

.....

11. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

मुरलीवाला बोला आपको क्या पता बाबूजी कि इनकी असली लागत क्या है यह तो ग्राहकों का दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज़ क्यों न बेचें पर ग्राहक यही समझते हैं दुकानदार मुझे लूट रहा है आप भला काहे को विश्वास करेंगे लेकिन सच पूछिए तो बाबूजी असली दाम दो ही पैसा है आप कहीं से दो पैसे में यह मुरली नहीं पा सकते मैंने तो पूरी एक हज़ार बनवाई थीं तब मुझे इस भाव पड़ी हैं

आओ दोहराएँ

12. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) का प्रयोग कीजिए–

(क) प्रशसा (ग) दत (ङ) हिदी (छ) हस

(ख) कधा (घ) महत (च) प्रात (ज) दग

13. निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए–

(क) पभाव (ग) गाहक (ङ) भष्ट (छ) आश्चय

(ख) केंद (घ) कमचारी (च) निदयी (ज) पसाद

Chapter-2.indd 13 10/14/2016 1:43:05 PM

14. **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता (़) का प्रयोग कीजिए–**

(क) रोज (घ) गरज

(ख) टेलीफोन (ङ) लिफाफा

(ग) जीनत (च) नाज

15. **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करते हुए अर्थ बताइए–**

(क) फूला न समाना

वाक्य – .....

अर्थ – .....

(ख) कान भरना

वाक्य – .....

अर्थ – .....

(ग) दंग रह जाना

वाक्य – .....

अर्थ – .....

(घ) उल्लू सीधा करना

वाक्य – .....

अर्थ – .....

Chapter-2.indd 14 10/14/2016 1:43:05 PM

16. 'खुश होना' भाव को प्रकट करने वाले कई मुहावरे नीचे दिए गए हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

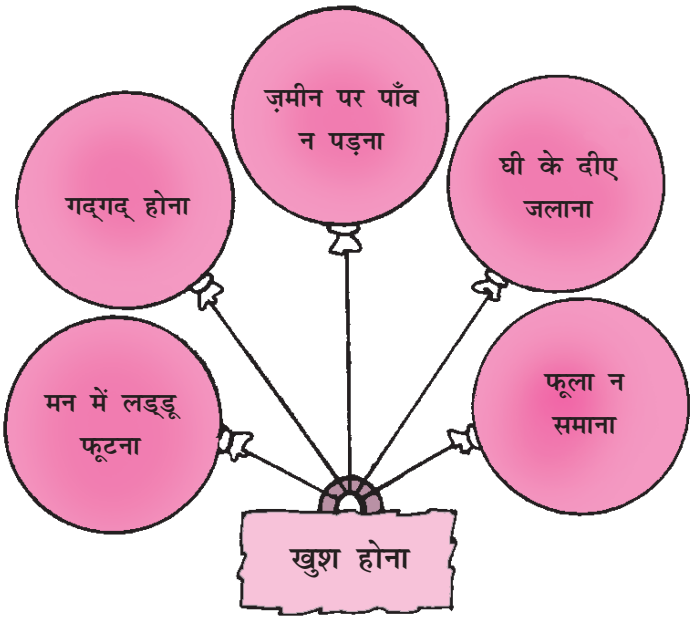

(क) .....

.....

(ख) .....

.....

(ग) .....

.....

(घ) .....

.....

(ङ) .....

.....

Chapter-2.indd 15 10/14/2016 1:43:06 PM

17. **निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के भेदों के नाम लिखिए–**

(क) मुस्कराहट	.....भाववाचक.....	(च) प्रेमचंद	.....
(ख) किसान	.....	(छ) दुकान	.....
(ग) भिखारी	.....	(ज) शत्रुता	.....
(घ) धुलाई	.....	(झ) शिमला	.....
(ङ) महाभारत	.....	(ञ) विद्यार्थी	.....

आओ लिखें

18. **अपने मोहल्ले के पार्क की सफ़ाई करवाने हेतु नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए–**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Chapter-2.indd 16 10/14/2016 1:43:06 PM

Chapter-2.indd 17 10/14/2016 1:43:06 PM